No. of Printed Pages : 4 **BHDE–101/EHD–1**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी. डी. पी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : हिन्दी

बी.एच.डी.ई.-101/ई.एच.डी.-1 : हिन्दी गद्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।* ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों मे सें किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : $3 \times 12 = 36$

(क) विषाक्त वातावरण, द्वष और घृणा की चाबुक से तड़पड़ाते हुए हिंसा के घोड़े, विष फैलाने को संप्रदायों के अपने संगठन और उसे भड़काने को पुलिस और नौकरशाही! देविन्दरलाल को लगता है

कि वह और रफीकुद्दोन ही गलत हैं जो कि बैठे हुए हैं जबकि सब कुछ भड़क रहा है, उफन रहा है, झुलस और जल रहा है .....

(ख) तोताराम ने उस वक्त तो ये बातें हँसी में उड़ा दीं, जैसा कि एक व्यवहार कुशल मनुष्य को करना चाहिए था, लेकिन इनमें की कुछ बातें उनके मन में बैठ गयीं। उनका असर पड़ने में कोई सन्देह न था। धीरे–धीरे रंग बदलने लगे। जिसमें लोग खटक न जाएँ। पहले बालों से शुरू किया, फिर सुरमे की बारी आयी। यहाँ तक कि एक दो महीने में उनका कलेवर ही बदल गया। गजलें याद करने का प्रस्ताव तो हास्यास्पद था, लेकिन वीरता की डींग मारने में कोई हानि न थी।

(ग) मैंने कहा न, तू अभी बहुत भोली है, अलका ! नारी का आकर्षण क्या कर सकता है, यह तू नहीं समझ सकती। यशोधरा भी नहीं समझ सकी। ज्वाला क्या कर सकती है, यह या ज्वाला जानती है, या वह काठ जो उसमें जलता है। तू यह कैसे जान सकती है, भोली अलका, तू जो इतनी अनजान है ?

(घ) अमात्य, तुम गौरव किसे कहते हो ? वह है कहाँ ? रोग–जर्जर शरीर पर अलंकारों की सजावट, मलिनता और कलुष ढेरी पर बाहरी कुंकुम–केसर का लेप गौरव नहीं बढ़ाता। कुटिलता की प्रतिमूर्ति बोलो! मेरी वाग्दत्ता पत्नी और पिल द्वारा दिए हुए मेरे सिंहासन का अपहरण किसके संकेत से हुआ ? और छल से ..... ।

(ङ) इन सब पर्चा आउट करने वालों और नंबर बढ़ाने वालों पर हँसा भी नहीं जा सकता। इनमें अधिकांश दया के पात्र हैं। ये बेहद परेशान और घबराये हुए लोग हैं। कोई चाहता है कि लड़का पास हो जाये, तो उससे नौकरी करा दें, जिससे परिवार की दुर्दशा कुछ कम हो। किसी को चिंता है कि लड़का फेल हो गया, तो और एक साल उसकी पढ़ाई का खर्च कैसे चलाऊँगा। कोई चाहता है कि लड़का पास हो जाये, तो उसकी शादी करके बोझ हल्का करूँ। बहुत दु:खी और परेशान लोग होते हैं, इनमें कुछ इतने दीन होते हैं कि जी होता है, पहले इनके गले लगकर रो लिया जाए।

2. निबंध के रचनागत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए। 16

3. उपन्यास विधा के विभिन्न तत्वों का विवेचन कीजिए।16

4. संस्मरण विधा की विशेषताओं के आधार पर 'त्रिलोचन' का विवेचन कीजिए। 16

5. 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के परिवेश के विभिन्न पक्षों की सोदाहरण विशेषताएँ बताइए। 16

6. 'घीसा' रेखाचित्र की पटकथा में रूपांतरण की विशेषताएँ बताइए। 16

7. 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर तोताराम का चरित्र-चित्रण कीजिए। 16

8. 'उसने कहा था' कहानी के प्रतिपाद्य का सोदाहरण उल्लेख कीजिए। 16

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $8 \times 2 = 16$

   (क) भारतेन्दुयुगीन गद्य

   (ख) 'ध्रुवस्वामिनी' के स्त्री चरित्र

   (ग) 'निर्मला' का परिवेश

   (घ) 'भैया एक्सप्रेस' का कथ्य